























# पाक में आम चुनाव के लिए पहली हिंदू महिला ने किया नॉमिनेशन

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आम चुनाव में पाकिस्तानी पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने हिंदू महिला डॉ. सवीरा प्रकाश को उम्मीदवार बनाया है। 16वें नेशनल असेंबली का चुनाव अगले साल 8 फरवरी को होना है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार पीपीपी ने डॉ. सवीरा प्रकाश को खेल परबून्हुआ प्रांत के बुरोर जिले से अल्पसंख्यक समुदाय की पहली महिला उम्मीदवार बनाना की घोषणा की है। सवीरा प्रकाश ने 2022 में एवटाबाद इंटरनेशनल मैडिकल कॉलेज से एम्बीबीएस पढ़ाई की है।

► पीपीपी ने डॉ. सवीरा प्रकाश को खेल परबून्हुआ पार्टी के हिंदू महिला उम्मीदवार बनाया है।

► 2022 में प्रकाश ने एवटाबाद इंटरनेशनल मैडिकल कॉलेज से एम्बीबीएस पढ़ाई की है।



प्रकाश हाल ही में सेवानिवृत्त हुए हैं। वो पिछले 35 वर्षों से पार्टी के सक्रिय सदस्य थे। सवीरा प्रकाश ने 23 दिसंबर को पीपी-25 की सामाजिक सीट से असेंबली और चार प्रांतीय असेंबली की 1,085 सीटों के लिए आम चुनाव होंगे। चुनाव आयोग को आदेश को निर्वाचित करते हुए पीटीआई के उसका अपना चुनाव चिह्न बल्ला बहाल कर दिया है। पाकिस्तान में 16वीं नेशनल असेंबली के लिए 8 फरवरी 2024 को आम चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने इससे पहले पार्टी के अतिरिक्त चुनावों में बल्ला निशान को अवैध कराए दिया था। कोर्ट ने 7,713 उम्मीदवारों ने लिए 471 महिलाएं हैं। गैरलतब है कि पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने हाल ही में राजनीतिक पार्टीों से कहा

## पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का चुनाव चिह्न बहाल

पेशावर। पाकिस्तान में आम चुनाव से पहले पूर्व प्रधानमंत्री इशरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहसील की हिंदू कोर्ट ने कहा कि सदियों की छुट्टियों के बाद डलल बेच इस मामले की सुनवाई करेगी। पेशावर हाई कोर्ट के जज जस्टिस कामरान हायत मियांखेल ने टिप्पणी करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को पीटीआई को चुनाव चिह्न देना होगा क्योंकि चुनावों तारीख जारी होने के बाद इसे नहीं किया जाए सकता है। हाई कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने एसपर लिखा कि बल्ला मारो, आजादी के गले लगाओ। पार्टी ने आयोग और चुनाव को चुनावी दें वालों को नामित करते हुए कोर्ट से मामले की तहकाल सुनवाई का अनुरोध किया था। इसके दखेते हुए कोर्ट ने मंगलवार को याचिका पर सुनवाई की।

पीटीआई के बकील अली जफर ने कहा कि पार्टी को चुनाव करने के लिए 20 दिन का समय दिया गया था। पार्टी ने 3 दिसंबर को पेशावर की चुनावी तारीख जारी होने के बाद इसे नहीं किया जाए सकता है। हाई कोर्ट के फैसले पर अप्रतिक्रिया देते हुए इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने एसपर लिखा कि बल्ला मारो, आजादी के गले जारी किया।

## आरबीआई सनेत 11

### स्थलों को धनकी

### मानले नें तीन धार्ये

बड़दारा। मुंबई में आरबीआई समेत 11 स्थलों को बम से डाढ़ाने की धमकी भरा ईमेल भेजने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के 3 अरोपियों को बड़दारा से नियमित किया गया है। बुधवार को इन्हें मुंबई क्राइम ब्रांच और पुलिस के सहयोग से पकड़ा गया है। तीनों अरोपियों को प्रधानमंत्री कार्यालय की वेबसाइट पर साझा किया गया है। इसके फिलहाल मुंबई ले जाया गया है, जहां उनसे पूछाताह की जा रही है। जानकारी के अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर साझा किया गया है। इसके फिलहाल शाम एक विस्कोट हुआ और घटनास्थल से इंजराइल के राजदूत को आभद्र भाषा में संवादित एक पत्र बरामद किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इंजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें संदेश व्यक्त किया गया है कि मालवार को नई दिल्ली में जुर्माने के बाद इसके बाद इंजराइल के दूतावास के पास जुआ विस्कोट के अधिकारियों को नियमित किया गया है। इंजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों को भीड़भाड़ जानी जानी जाए से बचने की सलाह दी है। यहूदियों और इंजराइलियों के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों पर भी न जाने की सलाह दी गई है।

इंजराइल की सुरक्षा परिषद ने भारत ने आगे नागरिकों के लिए जारी किया एडवाइजरी

तेल अवीव। इंजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें संदेश व्यक्त किया गया है कि मालवार को नई दिल्ली में इंजराइल के दूतावास के पास जुआ विस्कोट के अधिकारियों को नियमित किया गया है। इंजराइल से 90,000 से अधिक घरों में अभी भी बिजली नहीं है। तूफान से सैकड़ों लानों को नुकसान हुआ है। बिजली आपूर्वी बहाल करने में नी

साल की एक लड़की और एक महिला नाले में बह गई। दोनों के शव बरामद हो गए। इसके अलावा पेंड गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है। एक

महिला विस्कोटियां के एक केंप ग्रांड में भरी पानी के तूफान से दो लोगों की मौत हो गई है।

वर्वीसलैड के साथ यूरोपी वाली बिजली की पौंपेज ने कहा कि तूफान के बाद 90,000 से अधिक घरों में अभी भी बिजली नहीं है। तूफान से सैकड़ों लानों को नुकसान हुआ है। बिजली आपूर्वी बहाल करने में अभी कई दिन लगेंगे। इसके बीच अस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो ने बारिश की भविष्यावाणी की है।

इंजराइल की सुरक्षा परिषद ने भारत ने आगे नागरिकों के लिए जारी किया एडवाइजरी

तेल अवीव। इंजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें संदेश व्यक्त किया गया है कि मालवार को नई दिल्ली में इंजराइल के दूतावास के पास जुआ विस्कोट के अधिकारियों को नियमित किया गया है। इंजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों को भीड़भाड़ जानी जानी जाए से बचने की सलाह दी है। यहूदियों और इंजराइलियों के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों पर भी न जाने की सलाह दी गई है।

इंजराइल की सुरक्षा परिषद ने भारत ने आगे नागरिकों के लिए जारी किया एडवाइजरी

तेल अवीव। इंजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें संदेश व्यक्त किया गया है कि मालवार को नई दिल्ली में इंजराइल के दूतावास के पास जुआ विस्कोट के अधिकारियों को नियमित किया गया है। इंजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत के बाद इंडिया में अपने नागरिकों को भीड़भाड़ जानी जानी जाए से बचने की सलाह दी है। यहूदियों और इंजराइलियों के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों पर भी न जाने की सलाह दी गई है।

इंजराइल की सुरक्षा परिषद ने भारत ने आगे नागरिकों के लिए जारी किया एडवाइजरी

तेल अवीव। इंजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें संदेश व्यक्त किया गया है कि मालवार को नई दिल्ली में इंजराइल के दूतावास के पास जुआ विस्कोट के अधिकारियों को नियमित किया गया है। इंजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत के बाद इंडिया में अपने नागरिकों को भीड़भाड़ जानी जानी जाए से बचने की सलाह दी है। यहूदियों और इंजराइलियों के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों पर भी न जाने की सलाह दी गई है।

इंजराइल की सुरक्षा परिषद ने भारत ने आगे नागरिकों के लिए जारी किया एडवाइजरी

तेल अवीव। इंजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें संदेश व्यक्त किया गया है कि मालवार को नई दिल्ली में इंजराइल के दूतावास के पास जुआ विस्कोट के अधिकारियों को नियमित किया गया है। इंजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत के बाद इंडिया में अपने नागरिकों को भीड़भाड़ जानी जानी जाए से बचने की सलाह दी है। यहूदियों और इंजराइलियों के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों पर भी न जाने की सलाह दी गई है।

इंजराइल की सुरक्षा परिषद ने भारत ने आगे नागरिकों के लिए जारी किया एडवाइजरी

तेल अवीव। इंजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें संदेश व्यक्त किया गया है कि मालवार को नई दिल्ली में इंजराइल के दूतावास के पास जुआ विस्कोट के अधिकारियों को नियमित किया गया है। इंजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत के बाद इंडिया में अपने नागरिकों को भीड़भाड़ जानी जानी जाए से बचने की सलाह दी है। यहूदियों और इंजराइलियों के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों पर भी न जाने की सलाह दी गई है।

इंजराइल की सुरक्षा परिषद ने भारत ने आगे नागरिकों के लिए ज

# कलियुग में नाम संकीर्तन ही आधार : चैतन्य महाप्रभु

कृते यद्यपातो विष्णुम् त्रैतायाम् यजतोमरवै  
द्वापर परिवर्याम् कल्प्ये तदहरिकीर्तिनाम्  
सतयुग में ध्यान के द्वारा, त्रैत में यज द्वारा, द्वापर में  
अर्बनों के द्वारा जो पुरुषार्थ लाभ होता है वह अब  
कलियुग में श्री हरिकीर्तन द्वारा प्राप्त हो सकता है।  
एतदर्थे अवतीर्ण श्री शशीरंदन

नदनदन श्रीकृष्ण ही श्रीराधारानी के भाव और  
माध्यं रस को लेकर जो पूर्ण में किसी को नहीं दिया  
गया, वही उन्नत-उन्नवल रस सभी साधारण लोगों  
को देने के लिए कलियुग की प्रथम संध्या में श्रीगौर  
सुन्दर, श्री धाम मायापुर, नवद्वीप, जिला नदिया, पश्चिम  
बंगाल में सन 1486 की फल्गुनी पूर्णिमा तिथि में  
संध्या काल में अवतीर्ण हुए थे। पिता श्री जगन्नाथ  
पिंड्रात्मा श्री माता शशी देवी को अवलंगवन कर श्री  
चैतन्य देव ने श्री कृष्ण प्रेम की अप्राकृत परम  
कल्याणप्रयत्न कर्त्त्व किया इसलिए प्रतिवर्ष काल्पुणी  
पूर्णिमा तिथि में उनके जन्म दिवस (अविर्भाव) के  
उपलक्ष्य में भरत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में उनके  
द्वारा प्रचारित श्री हरिनाम-संकीर्तन के साथ उनका  
दिव्य जन्मोत्सव मनवा जाता है। श्री चैतन्य महाप्रभु  
जी का जन्म श्री कंगा के टट पर उस समय हुआ  
जब चन्द्रहण के समय असंख्यक लोग भागीरथी में  
स्नान कर रहे थे तथा सभी जगह हरि बोल, हरि बोल,  
शब्द गुजारापान हो रहा था।

ब्रजद्रनदन श्री कृष्ण जोकि भक्ति भाव को लेकर  
अपने ही माध्यं का आस्वादन करने व युगधर्म श्री  
हरिनाम संकीर्तन का प्रचार करने के लिए श्री चैतन्य  
महाप्रभु जी के रूप में अवतीर्ण हुए। श्री चैतन्य  
महाप्रभु जी को अवेनों नामों जैसे श्री गौर हरि, श्री  
गौरांग, श्री गौर नारायण, श्री चैतन्य देव, श्री कृष्ण  
चैतन्य महाप्रभु व ब्रह्मन के नाम श्री निर्भाव इत्यादि से  
भी खैराता जाता है।

कलियुग के युगधर्म श्री हरिनाम संकीर्तन को प्रदान  
करने के लिए श्री चैतन्य महाप्रभु जी ने अपने पांचदों  
श्री नित्यानंद प्रभु, श्री अद्वैत, श्री गदाधर, श्री वास  
आदि भक्तवंद के माध्यम से जीवों के कल्याण हेतु  
गांव-गांव, नगर-नगर, शहर-शहर आदि जाकर श्री  
हरिनाम संकीर्तन का प्रचार व प्रसार की शिक्षा दी।

नमो मध्यवादान्याय कृष्णप्रेमप्रदावदे

कृष्णायामै द्वैतायनामै गैरितिव्य नः:

श्री गूरु गोदामी महान वैष्णव सती जी ने श्री गौर  
सुन्दर के प्राप्तानं नाम में कहा है— हे, वाताशिरोमणी,  
कृष्ण प्रेमप्रदावद, श्री कृष्णचैतन्य नाम धारी अर्थात्  
श्रीकृष्ण अधिन, सर्व अवतारी, दयालु, गौर कन्ति  
कृष्ण अपको नमस्कर है।

श्री चैतन्य महाप्रभु जी ने मानव प्रणियों के उद्धर  
के लिए शिखाएँ दी हैं। जो पूरे विश्व को देन है। श्री  
चैतन्य महाप्रभु जी ने शिखाएँ विश्व के कल्याण हेतु  
प्रदावद की जो दस प्रकार है—

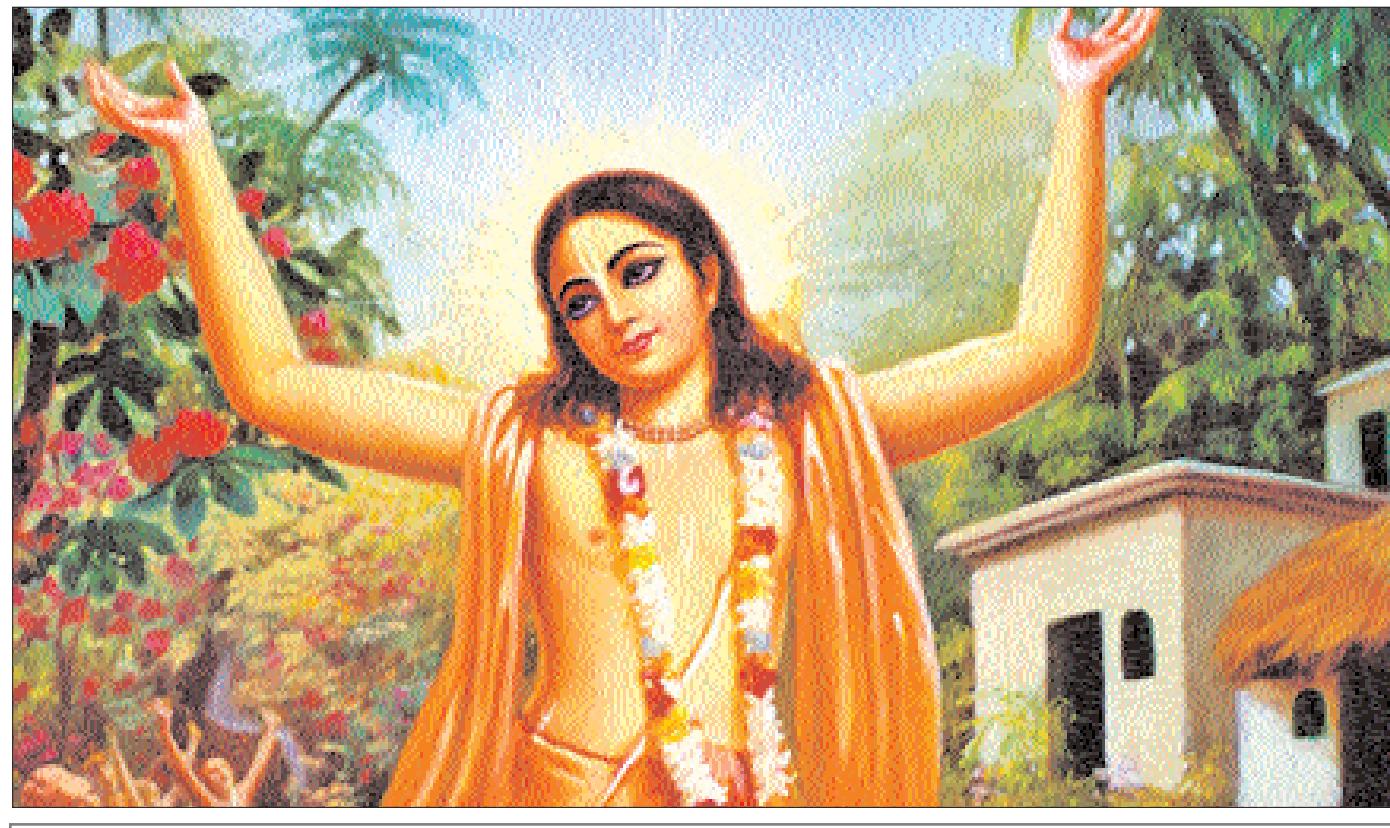
प्रथम शिखा : श्री हरिनाम का महात्म बताते हुए  
श्री चैतन्य महाप्रभु कहते हैं कि श्री कृष्ण नाम  
संकीर्तन चित रूपी दर्शन को साक करने वाला,  
संसारिक दावानल को समाप्त वाला, कल्याणकारी,  
जीवनरूप, आनन्द देने वाला, आंशिक पाप वृत्ति व जन्म  
मृत्यु के चक्र के संहेषण के लिए छुकाकार दिलवाने  
वाले श्री गौर संकीर्तन की जय हो।

द्वितीय शिखा : जीवों की भिन्न भिन्न विश्वों को रखने  
के लिए हे भगवान आपने अपने मुकुन्द, माधव,  
गोविन्द, दामोदर, श्यामसुन्दर, धनश्याम, यशोदानंद  
इत्यादि नाम रखे और प्रत्येक नाम में अपनी पूरी शक्ति  
भी स्थापित कर दी। नाम लेने के लिए देश-काल,

शुद्धाशुद्धी का नियम बंधन तोड़ दिया लैकिन मंत्र  
आपको नामों में अनुगम नहीं हुआ। आप कृपा करें  
कि आपके नामों में मंरी रुचि हो सके।

तीसरी शिखा : संसार के जीवों को अपने धंमद,  
अधिन को समाप्त करके जीव के तिनके जैसा निम्न  
समझाना चाहिए। अर्थात् धंमद छोड़कर, पद प्रतिष्ठा  
छोड़कर विषम स्वभाव होना चाहिए। पैद़ से भी  
अधिक सहनशील होकर, खुद समाप्त की चाहना न  
रखते हुए सदा श्री हरिनाम संकीर्तन करना चाहिए।

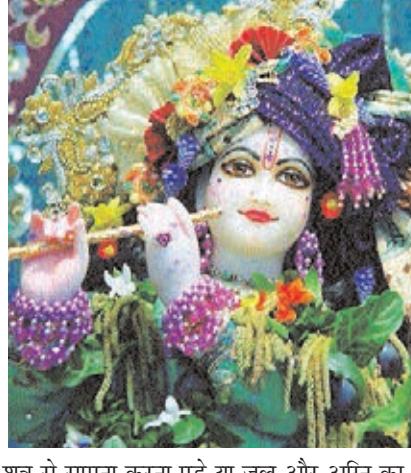
चौथी शिखा : हे जगतीश आप ऐसा आशीर्वाद दें  
कि मेरे में अत्यधिक धन, बहुत जन, पर्दित, सुदरो  
आदि की चाहना न हो और आपके श्री चरणकमलों  
मेरी जन्म-जन्म तक अहंकुरी भक्ति रहे।



## धार्मिकता दुख को सुख में बदलता है

आज जीवन का जहाज उताल रहते हैं और तूफानों  
से भरे संसार सागर में भटक गया है। इसका  
ऐतिक-बीव व विश्वासूचक बंब खराब हो गया है।  
जीवन को गतिशील बनाने के लिए जीवन ऊर्जा  
चाहिए, परंतु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है उसका सही  
दिशा में संयोजन। इसके अभाव में मनुष्य अनेक  
प्रकार की विभिन्निकाओं के बीच खड़ा है। कभी  
वह बीमारी से भयभीत रहता है, कभी उसे बुढापा  
सताता है, कभी वह मौत से घबराता है। न जाने  
किनने चेहरे हैं भय और दुख के। मनुष्य उस सबसे  
मुरक्का चाहता है। उनिया की सबसे बड़ी प्रार्थना  
दुख मुक्ति की है, लैकिन मंत्र दृष्टि में जीवन में दुख  
न आए, यह प्रार्थना कायरतापूर्ण है। दुख और  
कठिनाइयों के बीच में मोबाइल बना रहे, यही  
सच्ची प्रार्थना है, जो व्यक्ति को अहंकार से बचाने  
वाली और पुरुषार्थी बनाने वाली है।

इच्छा करना एक बात है और इच्छापूर्ति के  
उपयोगों को दूसरी बार लेना है। जब तक उपयोग नहीं  
लगते, इच्छा पूरी नहीं होती। यह दुखप्रति के  
उपयोग नहीं किए जाएं तो दुख मुक्ति रहने का सपना  
भी केवल सपना बनकर रह जाता है। 'रक्षित  
पुण्यानि पुरा कृतानि' अर्थात् पहले के किए हुए  
पुण्य प्रबल हों तो मनुष्य को दुख से मुक्ति मिल



श्रुते से समान करना पड़े या जल और अग्नि  
के प्रकाप, मनुष्य के पुण्य प्रबल हों तो उसे कोई मार  
नहीं सकता।

महाभारत में लिखा है, 'धर्मे रक्षति रक्षित  
अर्थात् मनुष्य धर्म की रक्षा करे तो धर्म भी  
उसकी रक्षा करता है। हमारी व्याख्या के अनुसार  
मनुष्य की धार्मिक वृत्ति उसकी सुखरुक्षा करती है।

यह व्याख्या सार्थक भी है। आखिर धर्म अपने  
आप में है क्या? वास्तव में धर्म का कोई नाम  
होता है और न कोई रूप। व्यक्ति के आचारण,  
व्यवहार या वृत्ति के आधार पर ही उसे धार्मिक  
अथवा अधार्मिक होने का प्रमाणपत्र दिया जा  
सकता है। श्रीमद भगवत के प्रथम स्कंध में  
कुंती का आत्मनिवेदन अत्यत महत्वपूर्ण है।  
उसमें मोबाइल बढ़ाने की प्रार्थना के स्थान पर  
परिपदाओं को आमत्रित किया। प्रभो! मेरे पग-पग  
पर निरंतर विषालायों रहें, क्योंकि मैं जब  
विषालायों से धर्मी रहता हूं, तभी अपके दर्शन  
होते हैं। आपके दर्शन मेरे लिए मुक्ति के दर्शन हैं  
- मेरे जन्म-मरण की परंपरा को उच्छ्वासन करने  
वाले हैं।

धार्मिक व्यक्ति के जीवन में कष्ट नहीं आता।

यह बात नहीं है कि उसे बुढापा, बीमारी या  
आपका का सामना नहीं करना पड़ता। बुढापा  
आता है, पर उसे सतात नहीं। बीमारी आती है,  
पर उसे चायित नहीं करा पाती। इस कथन का  
सारांश यह है कि धार्मिक व्यक्ति दुख को सुख  
में बदलना जानता है। इसे यों भी कहा जा  
सकता है कि धार्मिक वही होता है, जो दुख को  
सुख में बदलने की कला जानता है।

यह व्याख्या सार्थक भी है। याज और अग्नि  
का सामना करना पड़े या जल और अग्नि  
का सामना नहीं करना होता है। बुढापा  
आता है, पर उसे सतात नहीं। बीमारी आती है,  
पर उसे चायित नहीं करा पाती। इसे क्यों  
भी कहा जा सकता है कि धार्मिक व्यक्ति दुख को सुख  
में बदलना जानता है।

अग्नि, रहित नहीं रहता है, तभी अपका दर्शन  
होता है। यदि व्यक्ति दुख को सुख करने के लिए देखता है।

बड़ा बनाने के लिए बेसन का थोल  
ठीक से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..

चाकू से महक आ रही है, तो उसे  
भी नींबू से साफ करें..